

আল্লাহা খিবলী লোভানী (৩য়ঃ)

জন্ম - ৩রা জুন ১৮৫৭ খ্রিঃ / ১৮-১৮ নভেম্বর ১৯৪৪ খ্রিঃ

পরিচিতি : আল্লাহা খিবলী লোভানী ৩রা জুন ১৮৫৭ খ্রিষ্টাব্দে ভারতের উত্তরপ্রদেশ রাজ্যের আলমগড় জেলার কিশোরগঞ্জে এক সুঅলিম রাজপুত্র পরিবারে জন্মগ্রহণ করেন। তাঁর খিয়ার নামে যেসব শাব্দিকলাস সব, আরও নামে কোম্পানী আছেন।

প্রাথমিক জীবন : অর্থাৎ একথা উল্লেখ্য যে, আল্লাহা খিবলী লোভানীর কনিষ্ঠ প্রাণগ্রন লগনে শিক্ষাপ্রদান অধ্যয়ন করে কৃষিজীব্য হলে মিলিত আবেশন এবং গলাহবাদ শাসকোর্টে নিয়োগ লাভ করেন। কিন্তু তিনি প্রাণগ্রন ইছলামী শিক্ষায় মিলিত হন। তাঁর মিলিতক ছিলেন সুকিবাদী মলিত শাউলানা সুসাহসবাদ আরকক দ্বিতামাকোর্টে। বহুজাও তিনি হলে উৎসাহিত মলিত অবকাশ গ্রহন করে আরবের বিভিন্ন ইছলামিক মলিতজানের মিলটে ইছলামী ক্রমশত্ব, ইছলাম, দর্শন এবং সুমিবাদ মিলিত প্রসারণ করতেন। তিনি আরবী, মলকবি, শিল্পি, স্বর্ক ও উর্দু ভাষাতে মিলিত মলিত ছিলেন। তিনি একজন কবিও ছিলেন। মিলিত মলিত যে অকল সুমিবাদে অনর্শিতার দ্বারা অনুপ্রমিত হলেছিল তাঁদের মধ্যে মলিত মলিত কয়েকজন হলে - T.W Arnold, দ্বিতামাকোর্টে, আরক উমদ আহমদ মলিত, আরক ওমালী উল্লাহ প্রমুখ। আল্লাহা খিবলী লোভানী একজন সুমিবাদে মলিত সুঅলিম মিলিত মলিত মলিত একনিষ্ঠ মলিতক ছিলেন।

● **कर्मजीवन ३ कृषियः** आल्लामा खिली लामानी अंग्रज
एके लिखे ग्रंथ अंग्र डिमद
आइएद आनर आयु खिलि २० १२३ १८८२
खिलि एक आलिगढ़ खिलकता शुरू कइलन। खिलि
प्रधान २७ वरु खिलकता कइलन। प्रधान आकाकाखिलीन
खिलि T.W Arnold ३ अनगन, ईइएक खिलिगइएक कइ
एके आकाखिलि शिक्षा ३ चिन्ताधार आधुनिकता
अजायि २०। भूल खिलि आकाखिलि ३ अंग्रजखिलि खिलि
दुखे अंग्र कइ आधुनिक शिक्षा ३ आधुनिक
अखिलि अंग्र कइलन। अंग्रखिलि अंग्र डिमद
अंग्रखिलि अंग्र खिलि आलिगढ़ अंग्र कइलन। [१८८८खिलि]

प्रखिलि खिलि आकाखिलि अंग्र 'खिलि खिलिगइ'
अंग्रखिलि अंग्र आखिलि २०। प्रखिलि प्रधान खिलि
खिलि अंग्रखिलि अंग्र अंग्र कइलन। अंग्र अंग्र
आकाखिलि 'अंग्रखिलि खिलिगइल' अंग्र अंग्र
अंग्रखिलि अंग्र खिलि अंग्र कइलन।

२००७ खिलि खिलि आकाखिलि अंग्र लखिलि
अंग्र १२३ 'नाद अंग्र अंग्र' - अंग्र खिलिगइल अंग्र
अंग्र कइलन। खिलि प्रधान खिलिगइल अंग्र
अंग्र अंग्र कइलन। प्रधान खिलि 'नाद अंग्रखिलि'
अंग्रखिलि अंग्रखिलि कइलन, किं अंग्रखिलिगइल अंग्र
अंग्रखिलि अंग्र अंग्र २०। १२३ अंग्र अंग्र
अंग्रखिलि अंग्र अंग्र अंग्रखिलि अंग्रखिलि अंग्र
कइलन। [२०२० खिलि]

अंग्रखिलि खिलि अंग्र अंग्रखिलि ३ अंग्रखिलि
'नाद अंग्रखिलि' अंग्रखिलि अंग्र अंग्रखिलि
अंग्रखिलि। अंग्रखिलि अंग्र अंग्र अंग्रखिलि
नाद अंग्र अंग्र अंग्रखिलि अंग्रखिलि
'नाद अंग्रखिलि' (House of Writers) अंग्रखिलि कइलन।

কাজিয ও চিন্তাধারা : অসং ইয়াহুদ ও আহ্লাখা শিবলী
 লাম্বানী উভয়ে চেয়েছিলেন
 দু'আলিম অধায়ের জাতির জন্য পাশ্চাত্য আধুনিক
 শিক্ষা ও চিন্তা-ভাবনার অনুপ্রাণণ ঘটান।
 বিশেষত আহ্লাখা শিবলী লাম্বানী চেয়েছিলেন দু'আলিমদের
 নিজেদের তাদের ইরাকী জীবন ও বৈশিষ্ট্যকে কোয়ার
 চেলা করে আত্মবিশ্বাস মিলিত আনুক।

আহ্লাখা শিবলী লাম্বানী ইয়ালাখী একাধিকারের
 (Pan-Islamism) একনিষ্ঠ অর্থক ছিলেন। পড়া
 'কলকান' মুখে মুক্তি পায় জিহাদে অস্তিত্বের পর তিনি
 ইংরেজদের বিরুদ্ধে কবিতা ও প্রবন্ধে স্বাধীনতা মিনা
 করেছেন। সেই সাথে দু'আলিম জাতিকে একত্রিত
 হতে অনুপ্রাণিত করেছেন।

আধায়ের তিনি পাশ্চাত্য সভ্যতা দ্বারা দু'আলিমদের
 অনুপ্রাণিত না করে বরং পাশ্চাত্য শিক্ষা, জ্ঞান-বিজ্ঞান
 ও প্রযুক্তি দ্বারা অনুপ্রাণিত করেছেন।
 আর এক উদ্দেশ্যবলিত আহ্লাখা শিবলী
 অসংকে গুরু রচনা করেছেন।

পাশ্চাত্য উল্লেখ্য হৈ, তাঁর একে অসংকে কাজিযের
 জন্য হৈ অকল কাজিয হৈ হৈ হৈ অনুপ্রাণিত
 করেছেন তাঁর হৈ - অসং গাফী, ইয়ালাখা
 আবুল কালাম আজাদ প্রভৃতি বর্নামা হৈ।

একজন ইয়ালাখিক চিন্তাবিদ ও জগৎ বহু অসংকে
 আহ্লাখা শিবলী লাম্বানী হৈ হৈ হৈ হৈ হৈ হৈ হৈ
 ৩৭ বছর বয়সে মৃত্যুবরণ করেন।

● रचनावलि: आसनाया रचिवली लुआवनी अडवुआ
अकू रचना करुणें; उलावे उल्लेखभासा
कठिण रचनावलि निम्नरूप :-

- (i) आकाश - उन - नावा, [एहे अकूटि रचिनि प्रथम दुहे अकू
लेआर एव अडवुवतन करुणें, अल एव रचिण
हेअभाद अलाइवान नादही एहे अकूटि रचिनि एव
अकू लिणे एहे कर्मकर अडवुवतन करुणें।]
- (ii) आकाश - अर - नू'अरन,
- (iii) अल - अकूक,
- (iv) अल - आधुन,
- (v) अल - आरली,
- (vi) हेअभाद हेवने अहेअभा,
- (vii) आडलाना कधी,
- (viii) अडवुवतनाया - हे कू - अ - अिअर - अ - अरभा,
- (ix) आडेवरीजेव आलअरगीर एव अकू नाभा,
- (x) आकूलाश - हे - रचिवली,
- (xi) अल - नादउभा,
- (xii) हेअडुल कालाभा,